उपमन्यु गोत्रस्य वृत्तांतम्

प्रथम श्री विष्णु भगवान की नाभि कमल से ब्रह्मा जी भये तिनके पुत्र वशिष्ट भये तिनके शिष्य व्याघ्रपाद तिनके पुत्र उपमन्यु तिनके पुत्र सिन्धुप्रद तिनके कुल में अतिकाल बीते भूपानाम पण्डित महा तेजस्वी भये भूपा जी ने पिनाकपुर के राजा धर्मपाल को दीक्षा दै जुजुहूतपुर यमुनापार में यज्ञ करवाया तब राजा ने दीक्षित पदवी दी और अपने पुरोहित की पुत्री बिवाह दी तब से भूपा जी जुजुहूतपुर के दीक्षित कहाये, भूपा के २ पुत्र जानी, यज्ञेश्वर, जानी जानापुर में बसे और पाठक कहाये, यज्ञेश्वर यज्ञपुर के दुबे कहाये, जानी के २ पुत्र नभऊ, गदाधर, नभऊ दरियाबाद में बसने से दरियाबादी अवस्थी कहाये, गदाधर श्रेष्ठपुर के पाठक कहाये नभऊ के ३ पुत्र कमल, नल, भट्ट, कमल जुजुहूतपुर के अवस्थी, नल त्रिवेदी एकडला के, भट्ट, औ भट्ट

के पुत्र जगन्नाथ चन्दनपुर के बाजपेई कहाये, गदाधर के ३ पुत्र कन्दर्प, शिताबू, बच्चू, कन्दर्प नसुरा के पाठक, शिताबू जानापुर के पाठक, बच्चू अंगई के पाठक कहाये, कमल के २ पुत्र गोपी बंशी, गोपी जुजुहूतपुर के अवस्थी, बंशी ओमीपुर के अवस्थी कहाये गोपी के २ पुत्र गोसल, धर्माई, गोसल वेनवामऊ के पाठक, धर्माई अवस्थी मौरायें के, शिताबू के २ पुत्र पतिराखन ब्रजलाल, ब्रजलाल मौरायें के पाठक, पतिराखन शाहाबाद में रहे औ जानापुरी पाठक विख्यात भये धर्माई की प्रथम श्री से ८ पुत्र, देवर्षि, सुरेश्वर, सिद्धनाथ, खांड़, जीवन, केदारनाथ, नन्दू, ब्रह्मदत्त दूसरी स्त्री से तीन पुत्र शिवदत्त, देवदत्त, यज्ञदत्त, देवर्षि सरवन के अवस्थी, सुरेश्वर जयगांव के अवस्थी, सिद्धनाथ दरियावादी अवस्थी खांड़े, जीवन मतिपुर के अवस्थी, केदारनाथ नन्दू गौरा के अवस्थी ब्रह्मदत्त मौराँव के अवस्थी, शिवदत्त मौरांव के मिश्र,

देवदत्त मौरांव के दुबे, यज्ञदत्त मौराँव के बाजपेई कहाये ब्रह्मदत्त की प्रथम स्त्री से सन्तान अठभैया अवस्थी भये दूसरी स्त्री से ३ पुत्र परशराम, कान्हकुमार, दीनानाथ, परशुराम, कान्हकुमार दोनों सिन्धुपुर के अवस्थी दीनानाथ एकडला के अवस्थी कहाये परशुराम के २ पुत्र बड़े, गोपाल दोनों त्यूराशी के अवस्थी, शिवदत्त के १ पुत्र हरिदत्त बेनवामऊ के पाठक कहाये, हरिदत्त के ४ पुत्र सहतावन, बृन्दाबन, पदुमेन्द्र सर्वाधार सहतावन, केशरमऊ के मिश्र, बृन्दाबन लखपुरा के मिश्र, पदुमेन्द्र पर्सुहिया मिश्र, सर्वाधार गुर्दवान के मिश्र कहाये देवदत्त की प्रथम स्त्री से १ पुत्र दूसरी से ४ पुत्र बिहारी १ पसिगवाँ के दुबे, जीवन २ रिवाड़ी के अग्निहोत्री, जगनी ३ जौनपुर के अग्निहोत्री; किन्दर ४ दरियाबादी अग्निहोत्री, हरसुख ५ बदर्का के अग्निहोत्री कहाये । यज्ञदत्त के ५ पुत्र विष्णुशर्म, देवशर्म शिवशर्म, महाशर्म

लक्ष्मीशर्म, ये पाँचो लखनऊ के बाजपेई-पुरवा के बाजपेयी कहाये, दीनानाथ के पुत्र प्रभाकर त्यूराशी के अवस्थी कहाये प्रभाकर के ८ पुत्र नारायण, लक्ष्मण, जगनी, रमनी, सगुनी, मुरारी, उदयनाथ, प्रेमनाथ, ये आठो प्रभाकर के अवस्थी त्यूराशी वाले कहाये, बड़े के ४ पुत्र भोलानाथ १ जगपति २ रामप्रसाद ३ देवीदीन ४ यह चारो त्यूराशी वाले बड़े के अवस्थी, गोपाल के पुत्र उद्धव भी त्यूराशी के अवस्थी, कान्हकुमार के २ पुत्र माधव १ माते २ माधव के ३ पुत्र बाबू १ बाँके २ मुनीश ३ ये पाँचो त्यूराशी के अवस्थी कहाये बिहारी के २ पुत्र थलई १ रुपई २ थलई पहुवा के दीक्षित, रुपई भैंसई के दुबे, जगनी के ३ पुत्र हीरामणि,१ शिरोमणि २ दत्तू ३ ये सब जौनपुर के अग्निहोत्री, किन्दर के पुत्र बाबूराम दरियाबादी अग्निहोत्री, बिष्णुशर्म के १ पुत्र ओभेश्वर गौरा में रहे और बाजपेई पुरवा के बाजपेई कहाये, देवशर्म के ३ पुत्र

मदन, माखन, मङ्गली, मदन दिवरई के बाजपेई, माखन कुड़री के बाजपेई मङ्गली रामपुर के बाजपेई, शिवशर्म के तीन पुत्र सुन्दर गङ्गादास, रमण, ये सब लखनऊ के बाजपेई पुरवा के बाजपेई भये महाशर्म के ३ पुत्र तिर्मल, किसई, कुलमणि । तिर्मल खटोलहा में रहे तिर्मल के बाजपेई कहाये । किसई कुलमणि बैदहा के बाजपेई कहाये, लक्ष्मीशर्म के पुत्र कृष्णशर्म लखनऊ बाजपेई पुरवा के बाजपेई कहाये, रुपई के २ पुत्र दामोदर, कविताण्डव दामोदर विष्णुपुर के एकडला के त्रिवेदी, कविताण्डव बिष्णुपुर के दुबे, दामोदर के ४ पुत्र साहब, बाँदे, मण्डन, प्रयाग, प्रयाग के दो पुत्र हरी, रघुनाथ, हरी के ६ पुत्र मानिक, श्याम, बदाम, हीरा, पुरन्दर, आत्माराम यह बारहौ एकडला में बसे औ हरी के त्रिवेदी निज निज नाम से विख्यात हुए, ओमेश्वर के पुत्र छंगे गौरा वाले बाजपेई पुरवा के बाजपेई, कुलमणि के ५ पुत्र

गुपई १ मथुरी २ ललकर ३ काशीराम ४ मनीराम ५ गुपई, ललकर, बैदहा में बसे और बाजपेई कहाये, मथुरी गोपालपुर के बाजपेई, काशीराम मनीराम चिलौला के बाजपेई कहाये कृष्णशर्म की प्रथम स्त्री से १ पुत्र पीथा असनी के बाजपेई दूसरी स्त्री से ४ पुत्र हीरा १ बीसा २ धन्नी ३ तारा ४ ये सब असनी के बाजपेई कविताण्डव के २ पुत्र कला, देवराज कला कन्नौज के दुबे देवराज जैराजमऊ के दुबे, छंगे के पुत्र २ रामभद्र १ प्रीतकर २ यह दो लखनऊ के बाजपेई, काशीराम के ६ पुत्र लछनी १ बछनी २ गंगू ३ यादव ४ रघुनाथ ५ शिवदयाल ६ यह छहो चिलौला में बसे काशीराम के बाजपेई कहाये । मनीराम की प्रथम स्त्री से ३ पुत्र लाले १ बाले २ मनोरथ ३ ये सब भोजिया में बसे मनीराम के बाजपेई कहाये, दूसरा ब्याह बटेश्वर में भया तिस स्त्री से २ पुत्र नित्यानन्द १ महामुनि २ ये बटेश्वर के बाजपेई कहाये, पीथा के पुत्र जगनायक

पीथा के बाजपेई हीरा के ४ पुत्र चत्ते भत्ते, बीरे भगोले इनमें भगोले बिहार में रहे और हीरा के बाजपेई कहाये, शेष तीन असनी में रहे हीरा के बाजपेई भये बीसा के ४ पुत्र कमले, उर्वीधर, केशव, गयादत्त कमले मौरहा में बसे और बीसा के बाजपेई कहाये, शेष तीन असनी में रहे और बीसा के बाजपेई प्रसिद्ध भये, धन्नी के ४ पुत्र भावनाथ, उदयनाथ, गिरधर, मुसऊ ये चारौ मौजमाबाद में बसे और धन्नी के बाजपेई कहाये तारा के पुत्र रघुनन्दन हाजीपुर में रहे तारा के बाजपेई कहाये, कला के दो पुत्र कुन्दन अभई, कुन्दन कचिया के दुबे अभई नरोत्तमपुर के दुबे कहाये देवराज के ४ पुत्र बासुदेव, घरवास, वाल्मीक, जनार्दन, बासुदेव केशरमऊ के दुबे, घरवास इटावा में बसे औ अपने नाम के दुबे कहाये, बाल्मीक रूयूरा के दीक्षित, जनार्दन रिवाड़ी के अग्निहोत्री कहाये, घरवास के ३ पुत्र घनश्याम, चन्द्रमणि मनऊ, घनश्याम, चन्द्रमणि घरवास के दुबे

मनऊँ नरोत्तमपुर घरवास के दुबे कहाये, मनऊँ के २ पुत्र जगनू, नरोत्तम, जगनू चिलौली के दुबे, नरोत्तम भैंसई के दुबे, नरोत्तम के ३ पुत्र बसई, जानकी बाबू, बाबू के एक पुत्र बल्लू ये चार सपई में रहे भैंसई के दुबे कहाये, बल्लू के ३ पुत्र चन्द्र १ बदरी २ बिजावर के दुबे और मकरन्द भोजपुर के दुबे कहाये, बद्री के पुत्र सेवकी उन्नाव के दुबे कहाये, बाल्मीक दीक्षित के २ पुत्र शान्ति, सन्तोष, शान्ति दरियाबादी दीक्षित, सन्तोष नैमिष के दीक्षित कहाये, जनार्दन अग्निहोत्री के २ पुत्र चन्दन मतिकर, चन्दन उज्जैन के अग्निहोत्री, मतिकर उगू के अग्निहोत्री कहाये, रामभद्र बाजपेई के २ पुत्र रामकृष्ण १ कमलनयन २ यह दो लखनऊ ऊँचे के बाजपेई, प्रीतिकर के ६ पुत्र गणपति, पीताम्बर, नरहरि, बेनीदत्त रामचन्द्र ये पांच लखनऊ के ऊँचे के बाजपेई, छठवें बुद्धिशर्म लखनऊ खाले के बाजपेई कहाये, बुद्धिशर्म के ६ पुत्र लाला १ लक्ष्मण २ लोकी ३ शङ्कर ४ भीखू ५ मनीराम ६

ये छहौ लखनऊ खाले के बाजपेई, शङ्कर के ३ पुत्र चूड़ा १ टीका २ देवदत्त ३ ये भी सब लखनऊ खाले के बाजपेई कहाये, रघुनाथ के ३ पुत्र प्राणसुख १ धूमल २ चूड़ा ३ ये सब अहमदाबाद में बसे औ काशीराम के बाजपेई, महामुनि के ५ पुत्र चन्द्र १ आनन्द २ लालू ३ घनश्याम ४ माधवराम ५ ये सब बटेश्वर में बसे औ महामुनि के बाजपेई कहाये, चत्रे के २ पुत्र परशुराम १ मुरलीधर २ यह असनी में रहे और हीरा के बाजपेई कहाये, कमले के पुत्र १ परमेश्वरी बीसा के बाजपेई चूड़ा के ३ पुत्र शिवनन्दन १ स्यूनी २ दिवनी ३ यह तीन असनी में बसे काशीराम के बाजपेयी कहाये, लाले के २ पुत्र कामदेव रामदेव ये बटेश्वर में रहे और दोनों महामुनि के बाजपेयी कहाये, सेवकी के दो पुत्र गोपालराम १ भूपराम २ भूपराम बरुआ के दुबे गोपाल पस्यांवा के दुबे गोपाल के ४ पुत्र जगबंशी रघुबंशी परिवर यमनाथ, रघुबंशी परिवर बिलौरा के अवस्थी, जगबन्शी ओमी में रहे औ अवस्थी कहाये, यमनाथ दरियाबादी

मिश्र कहाये, यमनाथ के ३ पुत्र देवदत्त १ ईश्वरी २ लंकादही ३ इनमें प्रथम पुत्र एकडला के अग्निहोत्री, द्वितीय मीठापुर के उपाध्याय, तृतीया कधिलिया में रहे और गुर्दवान के मिश्र विख्यात भये।

॥ इति ॥

उपमन्यु गोत्र बाजपेइयों का स्थान असामी बिस्वा

स्थान	असामी	बिस्वा	स्थान	असामी	बिस्वा
चन्दनपुर के	भट्ट	५	कुडरी के	माखन	१५
,,	जगन्नाथ	१२	रामपुर के	मङ्गली	१५
मौरांव के	यज्ञदत्त	५	लखनऊ के बाजपेई		
लखनऊ के बाजपेई			(पुरवा के)	सुन्दर	१८
(पुरवा)	विष्णुशर्म	१७	,,	गङ्गादास	१४
,,	देवशर्म	१८	,,	रमन	१५
,,	शिवशर्म	१८	खटोलहा	तिर्मल	१३
,,	महाशर्म	१७	वदहा के	किसई	१४
,,	लक्ष्मीशर्म	१८	,,	कुलमणि	१८
गौरालख बा. पु.	कोमेश्वर	१८	लख.बाज.पु. के	कृष्णशर्मा	१७
दिवरई के	मदन	१५	गौरा बा. पुरवा के	छंगे	१६

स्थान असामी	बिस्वा	स्थान असामी	बिस्वा
बैदहा के गुपई	१५	पीथा के जगनायक	१७
गोपालपुर के मथुरी	,,	हीरा असनी वाले चजे	२०
वदहा के लसकर	१८	,, मत्ते	,,
चिऊोला के काशीराम	१६	,, बीरे	,,
,, मनीराम	१५	हीरा बिहारीपुरी भगोले	१६
असनी के पीथा	१८	मौरहा बीसा के कमले	१६
,, हीरा	२०	बीसा असनीवालेउर्वीश्वर	२०
,, बीसा	,,	,, केशव	,,
,, घन्नी	१६	,, गयादत्त	,,
,, तारा	१७	घन्नी मौजमाबादी भारनाथ	१८
लखनऊ के रामभद्र	२०	,, उदयनाथ	,,
,, प्रीतकर	,,	,, गिरधर	,,
काशीराम चिलौलाबछनी	१७	,, मुसऊ	,,
,, बछनी	१७	तारा हाजीपुर वाले	
,, गंगू	१६	रघुनन्दन	१८
,, यादव	,,	लखनऊऊंचे के रामकृष्ण	१९
,, रघुनाथ	१७	,, कमलनयन	,,
,, शिवदयाल	१६	,, गणपति	१८
मनीराम के लाले	१७	,, पीताम्बर	१६
,, बाले	१६	,, नरहरि	१८
,, मनोरथ	१५	,, बेनीदत्त	,,
बटेश्वर नित्यानन्द	१६	,, रामचन्द्र	२०
महामुनि	,,	लखनऊ खाले के शुद्धिशर्म	,,

स्थान	असामी	बिस्वा
लखनऊ वाले के	लाला	२०
,,	लछमन	,,
,,	लोकी	,,
,,	शंकर	,,
,,	भीखू	,,
,,	मनीराम	,,
,,	चूड़ा	,,
,,	टीका	,,
,,	देवदत्त	,,
अहमदाबाद		,,
(काशीराम के)	प्राणसुख	१८
,,	धूमल	,,
,,	चूंके	,,
महामुनि बटेश्वरी	चन्द	,,
,,	आनन्द	,,
,,	लालू	,,
,,	घनश्याम	,,
,,	माधवराम	१८
हीराकेअसनीवा.	परशुराम	२०
,,	मुरलीधर	,,
बीसा के	परमेश्वरी	१६
काशीरामअसनी	शिवनंदन	१७
,,	स्यूनी	१७
,,	दिवनी	१७
महामुनिबटेश्वरीका	मदेव	२०
,,	रामदेव	,,

❀ इति बाजपेई ❀

उपमन्यु गोत्र अवस्थी

स्थान	असामी	बिस्वा
दरियाबादी	नभऊ	७
जुजुहूतपुर के	कमल	५
,,	गोपी	५
ओमीपुर के	बंशी	५
मौराय के	धमाई	५
सरवन के	देवर्षि	१०
औगांव के	सुरेश्वर	,,
दरियाबादी	सिद्धनाथ	,
मतिपुर के	खांड़	७
,,	जीवन	८
गौरा के	केदारनाथ	१०
,,	नन्दू	८
मौरांव के	ब्रह्मदत्त	१०
अठभैयाब्रह्मदत्त	प्र.लीके	,,
त्रिधुपरके द्.	केशन्हकुमार	,,
,,	परशुराम	,,
एकडला के	दीनानाथ	,,

स्थान	असामी	विस्वा
त्यूराशी के	बड़े	१७
"	गोपाल	"
"	प्रभाकर	२०
प्रभाकर		
त्यूराशी वाले	नारायण	१८
"	लक्षमण	१८
"	जगनी	१६
"	रमनी	१६
"	रुगुनी	१८
"	मुरारी	२०
"	उदयनाथ	"
"	प्रेमनाथ	१८
बड़े के त्यूराशी वाले		
	भोलानाथ	२०
"	भगवति	"
"	रामप्रसाद	"
"	देवीदीन	"
त्यूराशी के	उद्धव	१६
"	माधव	२०
"	माते	१६
"	बाबू	२०
"	बांके	"
"	मुनीश	"
बिलौरा के	रघुवंशी	५
बिलौरा के	परिवर	५
ओमीपुर के	जगवंशी	२

उपमन्यु गोत्र पाठक

स्थान	असामी	विस्वा
जानापुर के	जानी	१
सेठपुर के	गदाधर	"
नसुरा के	कंदर्प	५
जानापुर के	शिताबू	५
मझुई के	बच्चू	१०
बेनवामऊ के	गोसल	४
मौरायें के	भजलाल	८
आनापुरी के	पतिराखन	५
बेनवामऊ के	हरिदत्त	५

उपमन्यु गोत्र दीक्षित मिश्र

स्थान	असामी	विस्वा
जुजुहूतपुर के	भूपा	५
पहुवा के	थलई	१०
स्यूरा के	वाल्मीक	८
दरियावादी	शांति	१०
जजुहूतपुर	गदाधर	५
नैमिष के	सन्तेष	७
मिश्र मौराव के	शिवदत्त	५

स्थान असामी	विस्वा
मिश्र केशरमऊ सहतावन	५
,, लखपुरा वृन्दावन	५
,, पसुंछिया पद्मेन्द्र	४
,, गुदंवान के सर्वाधार	५
,, दरियाबादी यमनाथ	३
,, गुर्दवान कपिलिया लक्ष्मादादी	२

उपमन्यु गोत्र त्रिवेदी उपाध्याय

स्थान असामी	विस्वा
एकडला के नख	५
,, दामोदर	११
हरीकेएकडलावाले साहब	१०
,, बादे	,,
,, मंडन	१२
,, प्रयाग	१३
,, हरी	१६
,, रघुनाथ	१३
,, मानिक	१७
,, श्याम	१६
,, बदाम	२०
,, हीरा	१८
,, पुरंदर	१६
हरीके एक. आत्माराम	१४
उपाध्याय मीटाएर ईश्वरी	२

उपमन्यु गोत्र दुबे

स्थान असामी	विस्वा
यज्ञपुर के यज्ञेश्वर	५
मौराव के देवदत्त	५
पसिगवा के बिहारी	८
भैंसई के रुपई	५
विष्णुपुर कवितांडव	१५
कन्नौज कला	८
जैराजमऊ देवराज	५
कचिशा कुन्दन	१०
नरोत्तमपुर अभई	७
केशरमऊ वासुदेव	१०
इटावा के घरवास	२०
इटावा घरवास घनश्याम	,,
,, चन्द्रमणि	,,
घरवास नरोत्तमपुर मनऊ	१६
चिलौली के जगनू	५
भैंसई के नरोत्तम	५
सरई भैंसई	६
,, जानकी	७
,, बाबू	१०
,, बल्लू	१२

स्थान	असामी	विस्वा
दुबे बिलावर के चन्द्र		५
बिलावर के बदरी		३
मोजपुर के मकरन्द		४
उन्नाव के सेवकी		२
बरुवा के भूपराम		४
पस्यावां के गे पालराय		८

उपमन्यु गोत्र अग्निहोत्री

स्थान	असामी	विस्वा
रिवाड़ी के जीवन		११
जौनपुर के जमनी		८
दरियाबादी किंदर		११
बदर्का के हरसुख		"
जौनपुर के हीरामणि		७
" शिरोमणि		७
" दत्त		७
दरियाबादी बाबूराम		६
रिवाड़ी के जनार्दन		१०
उज्जैन के चन्दन		"
ऊगू के मतिकर		११
एकडला के देवदत्त		१०

❀ इति पट्कुलम् ❀

धनञ्जय गोत्रस्य वृत्तांतम्

द्वापरयुग कृष्णावतार के समय में एक ब्राह्मण के पुत्र हुआ और तत्क्षण ही मर गया तब वह विप्र द्वारिकापुरी उग्रसेन के दरबार में जाकर बोला कि तुम्हारे अधर्म से मेरा पुत्र पिता के सामने ही मर गया निदान मरा पुत्र उग्रसेन के द्वारे रख कर चला आया इसी प्रकार उसके ७ पुत्र और हुये, होते ही